भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं.3689
बुधवार, 25 मार्च, 2026 (4 चैत्र 1948 (शक)) को उत्तरार्थ

पैक्स कम्प्यूटरीकरण सॉफ्टवेयर की विशेषताएं एवं तकनीकी पहलू

3689 # श्रीमती संगीता यादवः

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) में कंप्यूटरीकरण में इस्तेमाल होने वाले एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सॉफ्टवेयर की मुख्य विशेषता कौन-कौन सी हैं;

(ख) क्या यह सॉफ्टवेयर स्थानीय भाषाओं में भी उपलब्ध है ताकि ग्रामीण कर्मचारी इसका आसानी से इस्तेमाल कर सकें; और

(ग) क्या इसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय लेन-देन का ऑडिट ट्रेल मौजूद है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों (पैक्स) में उपयोग किए जा रहे एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग सॉफ्टवेयर (ईआरपी) की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं: -

(i) पैक्स के सभी कार्यों, क्रेडिट और गैर-क्रेडिट दोनों कार्यों पर डाटा संकलन करने के लिए परियोजना के अधीन सभी पैक्स को कॉमन ईआरपी सॉफ्टवेयर प्रदान किया गया है ।

(ii) यह सॉफ़्टवेयर राज्य विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए अनुकूलनीय है ।

(iii) ईआरपी-आधारित कॉमन राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर कॉमन एकाउंटिंग सिस्टम (सीएएस) और मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) के माध्यम से पैक्स प्रचालन की दक्षता को बढ़ाता है ।

(iv) यह शासन और पारदर्शिता को सशक्त करता है जिसके परिणामस्वरूप त्वरित ऋण संवितरण, लेनदेन लागतों में कमी, भुगतान असंतुलनों में कमी और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों और राज्य सहकारी बैंकों के साथ निर्बाध लेखांकन होता है ।

(v) समग्र ईआरपी सॉल्यूशन, बहुकार्यात्मकता के साथ 22 मॉड्यूलों को एकीकृत करता है जिसमें सदस्यता प्रबंधन, वित्तीय सेवाएं जैसे जमा और उधार (अल्पकालिक, मध्यमकालिक दीर्घकालिक), प्रापण, प्रसंस्करण इकाइयों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), व्यवसाय योजना, भांडागारण, क्रय-विक्रय, उधार, परिसंपत्ति प्रबंधन और मानव संसाधन प्रबंधन, आदि शामिल हैं ।

(vi) इसमें पैक्स सदस्यों के लिए निर्बाध वित्तीय लेनदेनों की सुविधा के लिए रुपे और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी)/डेटाबेस एकीकरण को शामिल करने का प्रावधान है ।

(vii) इस परियोजना के अधीन मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण और आवश्यक हैंडहोल्डिंग सहायता से यह सुनिश्चित होता है कि छोटे और सीमांत किसान, जिनमें वे भी शामिल हैं जो डिजिटल रूप से साक्षर नहीं हैं, डिजिटलीकरण से समान रूप से लाभान्वित हों ।

(ख) जी हां, मान्यवर । यह सॉफ्टवेयर 14 स्थानीय भाषाओं में भी उपलब्ध है जिससे ग्रामीण कर्मियों द्वारा भी इसे सरलतापूर्वक उपयोग किया जा सकता है । यह हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी, उर्दू, मराठी, गुजराती, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, बांग्ला, असमिया, नेपाली, ओडिया और मलयालम में उपलब्ध है।

(ग) जी हां, मान्यवर । इसमें ईआरपी सॉफ्टवेयर पर ऑन-सिस्टम ऑडिट के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय लेनदेनों का ऑडिट ट्रेल है ।

******